http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 31

प्रयागराज बुधवार 16 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

राष्ट्रपति मुर्मु ने अल्जीरिया के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

अल्जीयर्स,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने यहां अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने के साथ द्विपक्षीय बैठक में दोनों देशों के संबंधों को मजबूत बनाए पर चर्चा की। राष्ट्रपति भवन सचिवालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि राष्ट्रपति ने एल मौराडिया पैलेस का दौरा किया, जहां उन्होंने अल्जीरिया के राष्ट्रपति के साथ भारत–अल्जीरिया संबंधों को और अधिक ऊंचे स्तर पर ले जाने के तरीकों पर चर्चा की, जिसमें व्यापार और निवेश पर विशेष ध्यान दिया गया। श्रीमती मुर्मु ने अल्जीरिया के लिए भारत के निरंतर समर्थन और अफ्रीका के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। दोनों राष्ट्रपतियों ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता का नेतृत्व किया और प्रेस के समक्ष बयान जारी किए। इससे पहले श्रीमती मुर्मु ने अल्जीयर्स में मकाम इचाहिद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और अल्जीरियाई स्वतंत्रता संग्राम में प्राण न्यौछावर करने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अल्जीरिया के मुक्ति संघर्ष की याद में मौदजाहिद के राष्ट्रीय संग्रहालय का भी दौरा किया। राष्ट्रपति ने बाद में अल्जीरियाई आर्थिक नवीनीकरण परिषद और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अल्जीरियाई–भारतीय आर्थिक मंच को संबोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारत–अल्जीरिया संबंधों को आगे बढ़ाना हमारे साझा मूल्यों, समान चुनौतियों और आपसी विश्वास पर आधारित है। राष्ट्रपति ने कहा कि अल्जीरिया की तीव्र वृद्धि और विस्तारित अर्थव्यवस्था विभिन्न क्षेत्रों में कई अवसर प्रदान करती है। उन्होंने भारतीय कंपनियों से आग्रह किया कि वे अल्जीरियाई अर्थव्यवस्था द्वारा पेश किए जाने वाले अवसरों से जुड़े रहें और निवेश करें। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत और अल्जीरिया के बीच कुल व्यापार 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर का है।

पीएम मोदी ने किया आईटीयू सम्मेलन–मोबाइल कांग्रेस का उद्घाटन

ये हमारा कॉन्फिडेंस दिखाता है

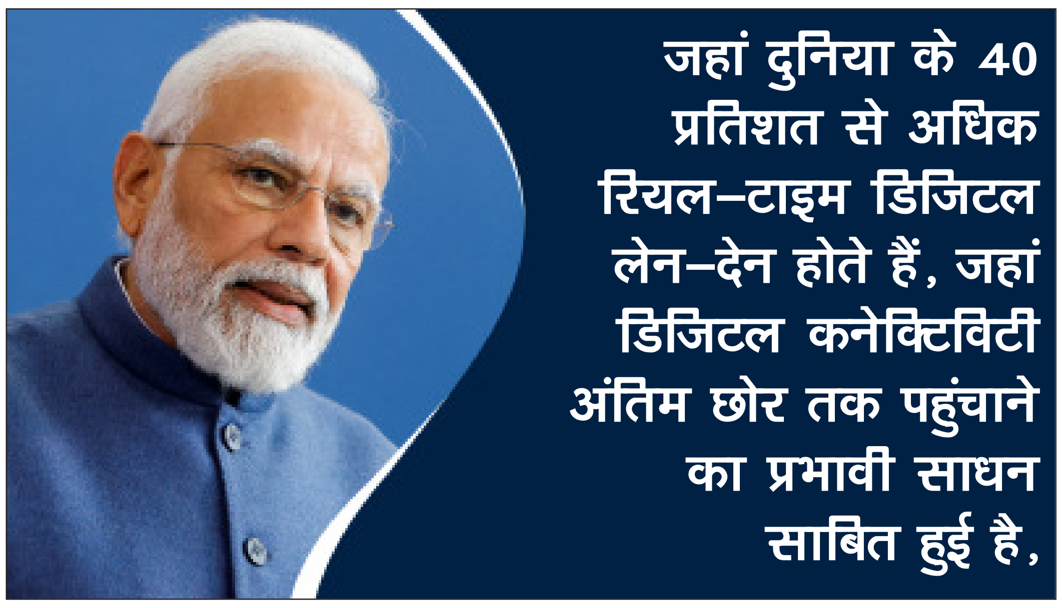

- 190 से अधिक देश ले रहे हिस्सा
- संचार और प्रौद्योगिकी के मामले में भारत दुनिया में सबसे गतिशील देशः मोदी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि आज भारत दूरसंचार और उससे जुड़ी प्रौद्योगिकी के मामले में दुनिया के सबसे गतिशील देशों में से एक है। श्री मोदी ने यहां आईटीयू डबल्यूटीएसए 2024 और इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) का शुभारंभ करते हुए कहा कि भारत, जहां 120 करोड़ मोबाइल फोन उपयोगकर्ता हैं, 95 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जहां दुनिया के 40 प्रतिशत से अधिक रियल–टाइम डिजिटल लेन–देन होते हैं, जहां डिजिटल कनेक्टिविटी अंतिम छोर तक पहुंचाने का प्रभावी साधन साबित हुई है, वहां वैश्विक दूरसंचार की स्थिति और भविष्य पर चर्चा भी वैश्विक भलाई का माध्यम बनेगी। श्री मोदी ने कहा, "डबल्यूटीएसए आम सहमति से पूरे विश्व को सशक्त बनाने की बात करता है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस कनेक्टिविटी के माध्यम से पूरे विश्व को सशक्त बनाने की बात करता है। यानी इस आयोजन में आम सहमति और कनेक्टिविटी को एक साथ जोड़ा गया है। आप जानते हैं कि आज के संघर्षग्रस्त विश्व के लिए ये दोनों कितने महत्वपूर्ण हैं। भारत हजारों वर्षों से वसुधैव कुटुम्बकम के अमर संदेश को जी रहा है। जब हमें जी20 का नेतृत्व करने का अवसर मिला तो हमने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का संदेश दिया। भारत दुनिया को संघर्ष से बाहर निकालकर उसे जोड़ने में जुटा है।" प्रधानमंत्री ने कहा, "2014 में भारत में सिर्फ दो मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट थीं और आज 200 से ज्यादा हैं। पहले हम ज्यादातर फोन विदेश से आयात करते थे, आज हम पहले के मुकाबले छह गुना ज्यादा मोबाइल फोन भारत में बना रहे हैं। हम मोबाइल निर्यातक देश के तौर पर जाने जाते हैं और हम यहीं नहीं रुके हैं, अब हम दुनिया को पूरी तरह से मेड–इन–इंडिया फोन, चिप से लेकर फिनिश्ड प्रोडक्ट उपलब्ध कराने में लगे हैं। हम भारत में सेमीकंडक्टर में भी भारी निवेश कर रहे हैं।" इंडिया मोबाइल कांग्रेस में दोगुनी हुई भागीदारी आईटीयू के एक अधिकारी ने कहा, दूरसंचार विभाग की ओर से समर्थित इंडिया मोबाइल कांग्रेस का आठवां संस्करण भी डब्ल्यूटीएसए के साथ आयोजित किया जाएगा। कई देशों के प्रदर्शकों, स्टार्टअप आदि की भागीदारी के मामले में वार्षिक इंडिया मोबाइल कांग्रेस का आकार पिछले साल से लगभग दोगुना हो गया है।

परमेश शिवमणि ने भारतीय तटरक्षक के महानिदेशक का पदभार संभाला

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। परमेश शिवमणि ने मंगलवार को यहां भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) के 26वें महानिदेशक के रूप में पदभार संभाला। फ्लैग ऑफिसर ने अपने साढ़े तीन दशक से अधिक के शानदार करियर के दौरान तट और जलपोत नियुक्तियों में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। परमेश शिवमणि नेविगेशन और डायरेक्शन क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं और उनकी समुद्री कमान में आईसीजी के सभी प्रमुख जहाज हैं, जिनमें उन्नत ऑफशोर पेट्रोल वेसल शसमरश और ऑफशोर पेट्रोल वेसल शविश्वस्तश शामिल हैं। ध्वज अधिकारी तटरक्षक क्षेत्र (पूर्व), तटरक्षक क्षेत्र (पश्चिम), तटरक्षक कमांडर पूर्वी समुद्री तट के प्रमुख रहे हैं। वह नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली और डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन के पूर्व छात्र हैं। उन्हें सितंबर 2022 में अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया था। बाद में उन्हें तटरक्षक मुख्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया गया था। उन्हें अगस्त 2024 में महानिदेशक तटरक्षक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। इस अवधि के दौरान, कई महत्वपूर्ण ऑपरेशन और अभ्यास पूरे किए गए जिनमें करोड़ों रुपये मूल्य की दवाओं, मादक पदार्थों और सोने की जब्ती, गंभीर चक्रवाती तूफानों के दौरान नाविकों का बचाव, विदेशी तट रक्षकों के साथ संयुक्त अभ्यास, अवैध शिकार विरोधी अभियान और मानवीय सहायता शामिल हैं। ध्वज अधिकारी को उनकी शानदार सेवा के लिए 2014 में तटरक्षक पदक और 2019 में राष्ट्रपति के तटरक्षक पदक से सम्मानित किया गया था।

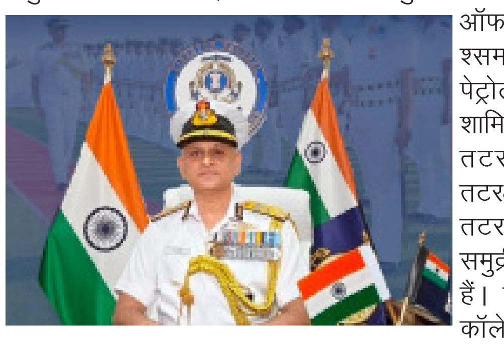

बहराइच हिंसाः मृतक युवक के परिजनों से मिले सीएम योगी, बोले...

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

- आपको न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकताः सीएम
- आक्रोशित भीड़ ने एक दर्जन से अधिक दुकानों में तोड़फोड़ व आगजनी की

लखनऊ,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच हिंसा में मारे गए युवक के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें मदद का आश्वासन दिया। पीड़ित परिजनों ने मुख्यमंत्री योगी के सामने अपनी मांगें रखी और न्याय की मांग की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ स्थित सीएम आवास पर बहराइच हिंसा में मारे गए युवक के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें मदद का आश्वासन दिया। पीड़ित परिजनों ने मुख्यमंत्री योगी के सामने अपनी बात रखी और न्याय की मांग की है। परिवार के साथ महसी के भाजपा विधायक सुरेश्वर सिंह भी मौजूद रहे। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री योगी ने एक्स अकाउंट पर बयान दिया कि बहराइच की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में काल–कवलित हुए युवक के शोक संतप्त परिजनों से आज लखनऊ में भेंट की। दुःख की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। आश्वस्त रहें, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना उत्तर प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। इस घोर निंदनीय और अक्षम्य घटना के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। बता दें कि रविवार को बहराइच के महाराजगंज कस्बे में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए विवाद में रामगोपाल मिश्रा (24) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जिसके बाद हिंसा भड़क उठी। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रभावित क्षेत्रों में फोर्स तैनात की गई है। इसके पहले मीडिया से बातचीत में मृतक युवक के परिजनों ने न्याय की मांग की थी। उन्होंने कहा कि दोषियों का उनके सामने एनकाउंटर किया जाए और उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जाए। आक्रोशित भीड़ ने एक दर्जन से अधिक दुकानों में तोड़फोड़ व आगजनी की महसी के महाराजगंज में विसर्जन जुलूस के दौरान हुए विवाद के बाद शुरू हुआ उपद्रव व आगजनी की घटना रविवार पूरी रात जारी रही। इस दौरान आक्रोशित भीड़ ने शहर की एक दर्जन से अधिक दुकानों में तोड़फोड़ व आगजनी की। यही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में भी रात में तोड़फोड़ की गई। शहर के अस्पताल चौराहे पर रेहुवा मंसूर निवासी रामगोपाल मिश्रा की हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रही भीड़ रात लगभग 12 बजे उग्र हो गई। भीड़ ने अस्पताल चौराहे के पास स्थित नाई, टायर व एक किराना की दुकानों को आग के हवाले कर दिया।

भारत का डेटा भारतीय डेटा सेंटर में ही रहना चाहिएः आकाश अंबानी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। रिलायंस जियो के अध्यक्ष आकाश अंबानी ने भारत का डेटा भारतीय डेटा सेंटर में ही रखने की वकालत करते हुए कहा कि देश में डेटा जनरेशन का पैमाना और स्पीड तेजी से बढ़ी है तथा एआई के साथ यह और तेजी से बढ़ेगी, इसलिए देश में एआई और मशीन लर्निंग

डेटा सेंटर स्थापित करने की जरूरत है और इसके लिए भारतीय कंपनियों को सरकार की ओर से प्रोत्साहन मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि डेटा सेंटर नीति 2020 के मसौदे को जल्द अपडेट करें। श्री अंबानी ने यहां आईटीयू डबल्यूटीएसए और इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 के शुभारंभ के अवसर पर कहा, "विकसित भारत के सपने के साकार करने के लिए एआई अत्यंत महत्वपूर्ण है और जियो ने एआई के फायदे को हर भारतीय तक पहुंचाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विजनरी लीडरशिप की प्रशंसा करते हुए श्री अंबानी ने कहा, "आज भारतीय मोबाइल कंपनियाँ और फलते–फूलते स्टार्ट–अप इकोसिस्टम की वजह से भारत विकसित देशों सहित दुनिया भर को एआई सॉल्युशन दे सकता है।

तमिलनाडु के कई हिस्सों में बारिश, वर्षाजनित घटनाओं में चार की मौत

चेन्नई,(एजेंसी)। दक्षिण–पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव का क्षेत्र अभी उसी क्षेत्र में बना हुआ है और कल उत्तरी तमिलनाडु की ओर बढ़ने की संभावना है। वहीं कल शाम से चेन्नई शहर और उपनगरों सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में छिटपुट से लेकर भारी बारिश हुई और कल शाम से राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हुयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये मौतें बिजली गिरने और दीवार गिरने के कारण हुईं और राज्य सरकार ने सोमवार देर रात ही पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार सुबह कहा कि इस प्रणाली पश्चिम–उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है और आज तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में एक स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव का क्षेत्र बन जाएगा। इसके बाद इसमें तब्दीली होने और उत्तर तमिलनाडु, पुड्डुचेरी और इससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों की ओर पश्चिम–उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके प्रभाव में तमिलनाडु और पुड्डुचेरी में आज अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी, जबकि कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होगी, जिससे तमिलनाडु और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में उत्तर–पूर्वी मानसून के आगमन का मार्ग प्रशस्त होगा। मौसम विभाग के अनुसार कि बुधवार को तमिलनाडु और पुड्डुचेरी में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश और उत्तर तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं, 17 अक्टूबर को आंतरिक तमिलनाडु में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश और कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन (जिन्होंने मौसम कार्यालय द्वारा विभिन्न पूर्वानुमान मॉडलों के आधार पर आज भारी बारिश और कल 20 सेमी से अधिक अत्यधिक भारी वर्षा की भविष्यवाणी के बाद मानसून की तैयारियों की समीक्षा की) ने आज चेन्नई और तीन आसपास के जिलों में सभी स्कूलोंऔर कॉलेजोंके लिए अवकाश घोषित किया है। और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) फर्मों को अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहने का निर्देश दिया है। भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर संबंधित कलेक्टरों द्वारा कुड्डालोर, विल्लुपुरम और अन्य जिलों में स्कूलों और कॉलेजों के लिए भी छुट्टियां घोषित की गईं।

युवा कांग्रेस का 'नौकरी दो, नशा नहीं' आंदोलन आज से

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु छिब ने कहा है कि युवाओं को नौकरी देने का वादा करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने रोजगार देने की बजाय युवाओं को नशाखोरी के दलदल में धकेलने का काम किया है और इसके खिलाफ उनका संगठन बुधवार से देशव्यापी आंदोलन शुरू करेगा। श्री छिब ने मंगलवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार ने बेरोजगारी बढ़ाने और नशाखोरी फैलाने का काम किया है और इसके खिलाफ उनका संगठन बुधवार को दिल्ली से देशव्यापी आंदोलन शुरू करेगा जो हर राज्य, जिले तथा गांव–गांव तक जाएगा। उनका कहना था कि आज देश का युवा खतरे में है और उन्हें बेरोजगारी के जरिए नशे के दलदल में धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश का युवा ड्रग्स की महामारी की चपेट में आ रहा है। विदेशों से भारत में ड्रग्स की खेप पहुंचाई जा रही है। देश के युवक को नौकरी चाहिए नशा नहीं है और इसको लेकर उनका संगठन आंदोलन कर रहा है। उन्हें विश्वास है कि उनका आंदोलन सरकार पर दबाव बनाएगा और देश में युवाओं को नशाखोरी की चपेट में आने से बचाने में उनकी यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी। युवा कांगेस अध्यक्ष ने कहा "श्री मोदी का वादा था कि हर साल 2 करोड़ युवाओं को नौकरियां देंगे, विदेशों से काला धन वापस लाएंगे, लेकिन ये वादे तो पूरे नहीं हुए– इसके उलट नौकरियों की जगह युवाओं को नशा मिला है। विदेश से काला धन आने की जगह भारी मात्रा में ड्रग्स आई है। पिछले 10 साल में देश के युवाओं को सिर्फ धोखा मिला है, उसके खिलाफ यूथ कांग्रेस 16 अक्टूबर से एक देशव्यापी मुहिम का आगाज कर रहा है।

पंजाब पंचायत चुनावों पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब में चल रहे ग्राम पंचायत चुनावों पर रोक लगाने से मंगलवार को इनकार करते हुए कहा कि मतदान के दिन (15 अक्टूबर) चुनाव पर रोक लगाने से श्अराजकताश पैदा हो जाएगी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने चुनाव रोकने से संबंधित कोई अंतरिम आदेश पारित कराने से इनकार किया, लेकिन पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया गया था। पीठ ने लोकतंत्र में चुनावों के महत्व को रेखांकित किया और कहा, "अगर अदालतें मतदान के दिन चुनाव पर रोक लगाना शुरू कर दे तो श्अराजकताश उत्पन्न हो जाये।" पंजाब में ग्राम पंचायत चुनाव आज सुबह आठ बजे से (15 अक्टूबर) चल रहे हैं। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पंचायत चुनाव रद्द करने की मांग वाली लगभग 1,000 याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इससे पहले, उच्च न्यायालय ने चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया, जिसने नामांकन प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली कई याचिकाओं को खारिज करके पंजाब में पंचायत चुनाव का रास्ता साफ कर दिया। अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिका पर एक वकील ने पंजाब ग्राम पंचायत चुनाव से संबंधित उस मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध शीर्ष अदालत से किया। वकील ने अदालत से सोमवार को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश पर रोक लगाने का आग्रह किया था।

शीर्ष अदालत ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि वह मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेगी, लेकिन चुनाव पर रोक नहीं लगाएगी। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, "हम चुनावों को महत्व देते हैंध।

जीत नहीं सका

उत्तराखंड स्थित केदारनाथ में गौरीकुंड के पास पहाड़ी से पत्थर नीचे गिरने के कारण तीन लोगों की मौत वाकई दुखद है। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं।दरअसल, पहाड़ों में बारिशों के कारण अक्सर ही जमीन खिसकने (लैंड स्लाइड) के मामले होते रहते हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि लैंड स्लाइड होने के कारण ही यह हादसा हुआ है। हादसा रविवार सुबह हुआ। पहाड़ से बड़े–बड़े पत्थर गिरने की घटना तीन स्थानों पर हुई। गौर करने वाली बात यह है कि गौरीकुंड–जहां हादसा हुआ है–वहां से केदारनदाथ धाम तक 16 किलोमीटर लंबे पैदल यात्रा मार्ग पर कई संवेदनशील क्षेत्र हैं, जहां हल्की बारिश में ही पहाड़ से पत्थर और मलबा गिरने लगता है।यह पूरा स्ट्रेच भूस्खलन की दृष्टि से अतिसंवेदनशील है। इस मामले में कुछ ऐसा हुआ कि उस दिन भारी बारिश हो रही थी और श्रद्धालु यात्रा पर थे। उन्हें इस आशंका का भान ही न हो सका। यहां प्रशासन की जिम्मेदारी को परखना जरूरी बन जाता है। जब यह बात वहां के प्रशासन और आपदा प्रबंधन को मालूम था तो फिर यात्रियों को इसकी जानकारी देना उनका फर्ज था। वैसे भी केदारनाथ में इससे पहले कई हादसे हुए हैं।बीते आठ वर्षो में वर्षाकाल के दौरान इस मार्ग पर हादसे में 19 व्यक्तियों को जान गंवानी पड़ी। इस नाते वहां के प्रशासन को इसकी तैयारियां चौकस रखनी चाहिए थी। यह घनघोर लापरवाही का मामला है। इसकी अनदेखी नहीं होनी चाहिए थी। हालांकि अब प्रशासन अपनी साख बचाने के लिए दिशा–निर्देश जारी किए हैं, मगर यह सब कवायद यात्रा शुरू होने से पहले होनी चाहिए थी। ताजा निर्देश के मुताबिक शाम 5 बजे से दूसरे दिन सूर्योदय तक केदारनाथ पैदल मार्ग पर आवाजाही पर रोक लगा दी गई है।यात्रियों की भी जिम्मदारी है कि वो खुद से खतरा मोल न लें। अगर मौसम साफ है और यात्रा में कोई व्यवधान की अग्रिम सूचना नहीं है तभी आगे बढ़ा जा सकता है। प्रकृति से लड़कर कोई आज तक जीत नहीं सका है। सभी लोगों को उसके रौद्र रूप की वजहों की तलाश करनी होगी और उसका सम्मान भी करना होगा। पहाड़ी राज्यों में लोगों की जरूरत से ज्यादा आवाजाही और अंधाधुंध निर्माण के कायरे पर बहुत सोच–समझकर आगे बढ़ना होगा। प्रकृति के साथ तारतम्य बनाने और उसके अनुरूप चलने से ही जान–माल के नुकसान से बचा जा सकता है। यह बात हर किसी को अपने जेहर में रखनी होगी।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्घ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

परीक्षा के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता

प्रो. हिमांशु राय

प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्ठा के बारे में बढ़ती चिंताओं के जवाब में, हमारी सरकार ने मुद्दों के समाधान के लिए तेजी से निर्णायक कार्रवाई की है। एनईईटी पीजी परीक्षा को स्थगित करने, छह शहरों में एनईईटी यूजी की पुनर्परीक्षा के दौरान पेपर लीक के आरोप तथा हाल ही में यूजीसी नेट के पेपर लीक होने जैसी घटनाओं ने इन महत्वपूर्ण परीक्षाओं की निष्पक्षता और विश्वसनीयता के बारे में देश भर के छात्रों के बीच गंभीर संदेह पैदा कर दिया है। भारत सरकार के सक्रिय कदमों में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के शीर्ष नेतृत्व को बदलना और विशेषज्ञ समितियों की स्थापना करना शामिल हैं, जो विश्वास बहाल करने और परीक्षा प्रक्रिया की निष्ठा सुनिश्चित करने के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं। ये कार्य केवल तात्कालिक चुनौतियों का समाधान करने के बारे में नहीं हैं, बल्कि ये कदम सभी छात्रों में विश्वास को फिर से बहाल करने और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के संदर्भ में दीर्घकालिक रणनीति का भी संकेत देते हैं।

परीक्षा का पारदर्शी, सुचारु और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने एक उच्च–स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। इस समिति का लक्ष्य दो महीने के भीतर कार्रवाई योग्य सिफारिशें देना है, जो परीक्षा प्रक्रियाओं में सुधार करेगी, डेटा सुरक्षा के तौर–तरीकों को बेहतर बनायेगी और भविष्य में उल्लंघनों के खिलाफ बेहतर सुरक्षा के लिए एनटीए को प्रभावी रूप से पुनर्गठित करेगी। इसके अलावा, सीबीआई की भागीदारी एक गहन, निष्पक्ष जांच के प्रति कटिबद्धता को दर्शाती है, जो न केवल जिम्मेदार लोगों की पहचान करेगी, बल्कि उन प्रणालीगत कमजोरियों को भी उजागर करेगी, जिनकी वजह से इस तरह के उल्लंघन होते हैं। इसके अतिरिक्त, सरकार ने अनुचित प्रथाओं को रोकने और संभावित गलत काम करने वालों में भय पैदा करने के लिए सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम पेश किया है। इस अधिनियम में, परीक्षा की सत्यनिष्ठा से समझौता करने के दोषी पाए जाने वालों के लिए 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने और 10 साल तक की कैद सहित कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। ये कठोर उपाय, एक मजबूत निवारक संदेश देने और सार्वजनिक परीक्षाओं की पवित्रता को बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं।

तत्काल कार्रवाई ठोस और आवश्यक है, जबकि परीक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक सुरक्षा और निष्ठा सुनिश्चित करने के लिए आगे के कदम महत्वपूर्ण हैं। ऑनलाइन परीक्षाओं के लिए, अत्याधुनिक एन्क्रिप्शन तकनीकों और बहु–स्तरीय प्रमाणीकरण को लागू करने से अनधिकृत पहुंच से सुरक्षा मिल सकती है। परीक्षा–पेपर के निर्माण से लेकर मूल्यांकन तक निगरानी करने और इसे सुरक्षित करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जा सकता है, ताकि किसी भी छेड़छाड़ का तुरंत पता लगाना सुनिश्चित किया जा सके।

पारंपरिक, ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए, हर चरण में कड़े सुरक्षा उपाय महत्वपूर्ण हैं। इनमें परीक्षा सामग्री के लिए छेड़छाड़–रोधी पैकेजिंग, सुरक्षित परिवहन और सभी रख–रखाव बिंदुओं पर कड़ी जांच शामिल हैं। लॉजिस्टिक्स के लिए वास्तविक–समय पर जीपीएस निगरानी तथा डिजिटल वॉटरमार्किंग का उपयोग करना भी पेपर–लीक के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है। एआई–संचालित निरीक्षण प्रणाली का उपयोग करके परीक्षाओं की निगरानी को बेहतर किया जा सकता है, जिससे धोखाधड़ी की संभावना भी कम हो जायेगी। बायोमेट्रिक सत्यापन यह सुनिश्चित कर सकता है कि उम्मीदवार वही हैं, जो वे होने का दावा कर रहे हैं। इससे परीक्षा प्रक्रिया में सुरक्षा की एक और परत जुड़ जायेगी।

इसके अतिरिक्त, स्वतंत्र निकायों द्वारा लगातार व गहन ऑडिट आयोजित करने से परीक्षा प्रक्रिया के भीतर कमजोरियों की पहचान करने में मदद मिल सकती है। पारदर्शी और नियमित समीक्षा सुनिश्चित करती है कि सुरक्षा प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है और किसी भी विसंगति का तुरंत समाधान किया जा सकता है। डिजिटल लॉक की भविष्य की विफलताओं को रोकने के लिए कठोर रखरखाव कार्यक्रम और बैकअप व्यवस्था लागू की जानी चाहिए, ताकि परीक्षा पुस्तिका बॉक्स को हाथों (भौतिक रूप से) से खोलना न पड़े और प्रश्नपत्र वितरित करने में देरी न हो। रखरखाव की नियमित जांच से यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि परीक्षा से पहले डिजिटल लॉक पूरी तरह कार्यात्मक हैं। इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों को पर्यवेक्षण के तहत हाथों से खोलने के सुरक्षित तौर–तरीकों से जुड़ी आपातकालीन प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। ये उपाय व्यवधानों को कम करने और परीक्षा की सत्यनिष्ठा को बनाए रखने में मदद करेंगे।निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा के गुणों पर जोर देने वाली निष्ठा कार्यशालाएं तथा छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और नीति–निर्माताओं के साथ नियमित संवाद आदि, ऐसे सक्रिय उपाय हैं, जो परीक्षा के प्रति निष्ठा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकती हैं। इन चर्चाओं में हितधारकों को शामिल करने से एक सतर्क समुदाय का विकास होगा, जिससे उत्तर कुंजियों तक किसी भी अनधिकृत पहुंच से सुरक्षा मिलेगी। ये पहल न केवल तत्काल चिंताओं को दूर करती हैं, बल्कि परीक्षा प्रक्रिया के दीर्घकालिक सुधारों के लिए आधार भी तैयार करती हैं।

एनटीए के तहत विभिन्न परीक्षाओं के लिए सालाना 10 मिलियन से अधिक छात्र पंजीकरण कराते हैं। केवल 2023 में 12.3 मिलियन उम्मीदवारों के साथ, एनटीए विश्व स्तर पर परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं में अग्रणी है। यह विशाल भागीदारी भारत के युवाओं की आकांक्षाओं को स्वरूप प्रदान करने में परीक्षाओं की प्रभावशाली भूमिका को रेखांकित करती है। इन संख्याओं और भारत की प्रसिद्ध शिक्षा प्रणाली के मद्देनजर, सरकार के सक्रिय उपाय सराहनीय और दूरगामी हैं, जिनका उद्देश्य दीर्घकालिक निष्ठा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना है। ये कार्य न केवल तात्कालिक चुनौतियों का समाधान करेंगे, बल्कि लाखों छात्रों के सपनों और आकांक्षाओं की सुरक्षा के लिए एक ठोस आधारशिला भी रखेंगे। यह दृष्टिकोण आने वाली पीढ़ियों के लिए निष्पक्षता और पारदर्शिता को बढ़ावा देते हुए शैक्षिक प्रणाली में विश्वास को मजबूत करने का वादा करता है।

भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं का भविष्यय निष्पक्षता और दक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में तैयार की गई अभिनव रणनीतियों पर टिका है। जैसे–जैसे डिजिटल तकनीकें शिक्षा को आकार दे रही हैं, मजबूत डिजिटल सुरक्षा उपायों को अपनाना एक महत्वपूर्ण अनिवार्यता हो गयी है। ऑनलाइन परीक्षाओं के लिए अत्याधुनिक एन्क्रिप्शन प्रोटोकॉल और कठोर प्रमाणीकरण व्यवस्था का कार्यान्वयन साइबर खतरों और अनधिकृत पहुंच के खिलाफ एक मजबूत बचाव होगा। यह सक्रिय दृष्टिकोण न केवल मूल्यांकन की निष्पक्षता की रक्षा करता है, बल्कि हितधारकों के बीच विश्वास भी विकसित करता है। डेटा विश्लेषण और पूर्वानुमान आधारित मॉडलिंग में प्रगति को अपनाने से परीक्षा लॉजिस्टिक्स एवं संसाधन आवंटन को और अधिक अनुकूल बनाया जा सकता है। इनके जरिये प्रशासनिक व्यवस्था को निर्बाधा बनाया जा सकेगा और परिचालन चुनौतियों को कम किया जा सकेगा।

तकनीकी प्रगति और शैक्षिक प्राथमिकताओं के समन्वय के साथ, भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं का परिदृश्य, सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं और बेहतर विश्वसनीयता पर आधारित होगा। इन दूरदर्शी रणनीतियों का पालन करके, शैक्षिक परिदृश्य निष्पक्षता, पारदर्शिता और उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रख सकता है, जिससे अंततरू छात्रों की आकांक्षाओं और देश की शैक्षिक प्रणाली की निष्ठा को लाभ होगा।

प्रवासियों का धन अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 27 जून को यूनाइटेड नेशंस माइग्रेशन एजेंसी के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय प्रवासियों के द्वारा वर्ष 2023–24 में भेजा गया रेमिटेंस (प्रवासियों के द्वारा अपने घर भेजा गया धन) दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। पिछले वर्ष में यह रेमिटेंस 107 अरब डॉलर यानी 8.95 लाख करोड़ रुपए की ऊंचाई पर है।

खास बात यह है कि पिछले वर्ष में भारतीयों द्वारा भेजी गई यह रकम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) से लगभग दो गुना है। यह लगातार दूसरा साल है, जब भारतीयों ने 100 अरब डॉलर से ज्यादा की धनराशि भारत भेजी है। पिछले वर्ष 2022–23 में भारतीय प्रवासियों ने 111 अरब डॉलर का रेमिटेंस भारत भेजा था। ज्ञातव्य है कि भारत के बाद मेक्सिको, चीन, फिलीपींस और फ्रांस सबसे ज्यादा रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देश है।

यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले एक दशक में भारत में लगातार अन्य देशों के मुकाबले रेमिटेंस सबसे अधिक रहा है। भारत में वर्ष 2010 में रेमिटेंस के तौर पर 53.48 अरब डॉलर आए थे। वहीं ये वर्ष 2015 में बढ़कर 68.19 अरब डॉलर और वर्ष 2020 में 83.15 अरब डॉलर हो गए हैं। प्रवासी भारतीयों की से भारत भेजा गया धन वर्ष 2021–22 में 83.57 अरब ड़ॉलर था। प्रवासियों का यह धन जहां प्रवासियों के परिजनों को मुस्कुराहट दे रहा है, वहीं अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभप्रद है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जब कोविड–19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसद की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी और बड़ी संख्या में उद्योग–कारोबार बंद होने के कारण देश में आर्थिक–सामाजिक परेशानियां बढ़ गई थी, उस समय आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों के द्वारा भेजी गई बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। गौरतलब है कि दुनिया में प्रवासी भारतीयों की संख्या करीब 1 करोड़ 80 लाख है। दुनियाभर में सबसे ज्यादा प्रवासी भारत के हैं। सबसे ज्यादा भारतीय प्रवासी संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब में रहते हैं। पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले खाड़ी देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में हाई स्किल्ड लोगों की संख्या ज्यादा है जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं। ऐसे में वे अधिक कमाई करके अधिक धन भारत भेज रहे हैं।

निसंदेह प्रवासी भारतीय भारत की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी शक्ति बढ़ाने में भी अहम सहयोग कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने–कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाई भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्त्वपूर्ण हो गई है। इतना ही नहीं भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, नोवार्टसि के वसंत नरसिम्हन आदि अपनी प्रतिभा, कौशल से कारोबार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया की अगुवाई कर रहे हैं और भारत के विकास के सहभागी भी बन रहे हैं। इस समय 18वीं लोक सभा चुनाव के बाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की एनडीए गठबंधन सरकार बनने के बाद प्रवासियों का कहना है कि एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी नई सरकार से प्रवासियों को भारत के विकास में सहयोग और सहभागिता करने के मद्देनजर नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

अमेरिका में कार्यरत भारतीय अमेरिकी डेमोक्रेटिक फंडराइजर तथा भारत हितैषी प्रवासियों के विभिन्न संगठनों का कहना है कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया के आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर जिस तरह भारत की सफलताओं का परचम फहराया है, उससे प्रवासियों के द्वारा गर्व अनुभव किया जा रहा है। उनका मानना है कि पिछले 10 वर्षो में भारत की सुरक्षा में सुधार हुआ है। सरकार ने आतंकवादी खतरों या आतंकवादी घटनाओं को नियंत्रित कर दिया है। सरकार की नीतियां भारत को आगे बढ़ा रही हैं।

ज्ञातव्य है कि जहां वर्ष 2023 में इस्राइल और हमास आतंकियों के बीच चल रहे संघर्ष के बीच इस्राइल में फंसे भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए भारत ने श्ऑपरेशन अजयच् चलाया है। साथ ही वर्ष 2022 में रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन में भारतीय समुदाय सीधे खतरे में आ गया था। तब श्ऑपरेशन गंगाच् के तहत बड़ी संख्या में भारतीयों को सुरक्षित भारत वापस लाया गया था। इसमें कोई दो मत नहीं कि अभी भारत द्वारा अपने प्रवासियों के दुख–दर्द को कम करने में और अधिक सहयोग किया जाना होगा। भारत सरकार की और अधिक सक्रियता जरूरी है। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में एनडीए गठबंधन की नई सरकार के द्वारा प्रवासियों के साथ स्नेह व सहभागिता के नए अध्याय लिखे जा सकेंगे।

तीन आपराधिक कानूनों को नया नाम

अजीत द्विवेदी

देश में नए आपराधिक कानून लागू हो गए हैं। इस बात को ऐसे भी कह सकते हैं कि अंग्रेजों के जमाने में, 1861 में बने तीन आपराधिक कानूनों को नया नाम मिल गया है और कई अपराधों की धाराएं बदल गई हैं। मुख्य रूप से यही काम हुआ है। बाकी कुछ नए अपराधों को इसमें शामिल किया गया है और कुछ पुराने अपराध इन कानूनों के दायरे से बाहर भी हो गए हैं। लेकिन उनकी संख्या बहुत थोड़ी है। नए कानून एक जुलाई से लागू हुए हैं और उससे पहले सोशल मीडिया में इन पर मीम्स की भी बाढ़ आई थी। जैसे कई लोगों ने कहा कि अब इस देश में कोई श्श्री 420च नहीं होगा। अब धोखाधड़ी करने वाले को श्श्री 318च कहना होगा।

अगर कोई राजकपूर की आईकॉनिक फिल्म श्श्री 420च का रिमेक बनाए तो उसे नए नाम से बनाना होगा क्योंकि सरकार ने फ्रॉड की धारा बदल दी है। इसी तरह हत्या के लिए 302 की जगह 101 धारा आ गई है और हत्या के प्रयास के लिए 307 की जगह 109 धारा लगेगी। बलात्कार के आरोप में 375 और 376 की जगह धारा 63 और 64 के तहत मुकदमा चलेगा। पुलिस वालों, वकीलों, न्यायिक अधिकारियों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को नई धाराएं याद करनी होंगी और पुरानी भी याद रखनी होंगी क्योंकि एक जुलाई 2024 से पहले के सारे मामले पुरानी धाराओं में सुने जाएंगे।सवाल है कि इसके पीछे क्या तर्क हो सकता है? ज्यादातर लोग अभी तक कोई ठोस तर्क नहीं सोच पाए हैं सिवाए इसके कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम इतिहास में दर्ज होगा कि उन्होंने अंग्रेजों के बनाए आपराधिक कानूनों को बदला था। जो कानून 1861 से चल रहे थे और श्गुलामी की मानसिकताच का प्रतीक थे उनको 2024 में नरेंद्र मोदी ने बदल दिया। उन्होंने इंडियन पीनल कोड यानी भारतीय दंड संहिता का नाम भारतीय न्याय संहिता कर दिया। अपराध प्रक्रिया संहिता का नाम भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता कर दिया और साक्ष्य कानून का नाम भारतीय साक्ष्य संहिता कर दिया। अगर तीनों आपराधिक कानूनों में बड़े बदलाव की बात करें तो वह ये है कि भारतीय दंड संहिता में 511 धाराएं थीं, जिन्हें कम करके 356 कर दिया गया। कई धाराएं एक दूसरे को ओवरलैप कर रही थीं तो उनको आपस में मिला दिया गया।

सीआरपीसी में पहले 484 धाराएं थीं लेकिन उसकी जगह बने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में इनकी संख्या बढ़ कर 531 हो गई है। दूसरा बड़ा बदलाव यह हुआ कि कुछ अपराध की धाराएं बदल दी गईं हैं। इन धाराओं को नए सिरे से याद करना होगा। मुश्किल यह है कि देश की अदालतों में पांच करोड़ से ज्यादा मुकदमे लंबित हैं, जिनमें से साढ़े तीन करोड़ से ज्यादा आपराधिक मामले हैं। उन सभी साढ़े तीन करोड़ मुकदमों में पुरानी धाराओं के तहत ही सुनवाई होगी। यानी पुलिस में अभियोजन का काम देख रहे अधिकारियों, वकीलों, न्यायिक अधिकारियों आदि को 30 जून से पहले के केस के लिए पुरानी धाराएं याद रखनी हैं और एक जुलाई से जो मुकदमे दर्ज होंगे उनके लिए नई धाराएं याद रखनी होंगी।बहरहाल, तीसरा बदलाव यह है कि नए कानून में कुछ नए अपराध शामिल किए गए हैं। झांसा या लालच देकर शारीरिक संबंध बनाने पर नई धारा के तहत मुकदमा चलेगा। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से अदालतों ने ऐसे मामलों में राहत देनी शुरू की थी। इसी तरह विवाहित स्त्री को बरगलाने के अपराध की एक अलग धारा बनी है। माना जा रहा है कि कथित लव जिहाद रोकने की सोच के साथ ये नई धाराएं शामिल की गई हैं। नाबालिग पत्नी से संबंध बनाने को बलात्कार की श्रेणी में डाला गया है। एक दिलचस्प बात यह है कि यौन अपराधों पर इतना ध्यान देने के बाद भी सरकार ने पुरुषों के साथ बलात्कार को नए कानून से बाहर कर दिया है।

पहले समलैंगिक या अप्राकृतिक यौन व्यवहार के लिए धारा 377 के तहत मुकदमा चलता था। लेकिन अब यह धारा खत्म कर दी गई है और इसके तहत होने वाले अपराध को किसी और धारा में नहीं शामिल किया गया है। बहरहाल, मॉब लिंचिंग के लिए नया कानून बना है तो आतंकवाद को आपराधिक कानून में शामिल किया गया है। संगठित अपराध के लिए नया कानून बना है। सरकारी अधिकारियों को ड्यूटी से रोकने के लिए आत्महत्या का प्रयास करना भी अब अपराध माना जाएगा। धरने, प्रदर्शन आदि के दौरान अक्सर ऐसी घटनाएं होती हैं।

नाम और धाराएं बदलने के क्रम में एक बड़ा बदलाव यह हुआ है कि सरकार ने राजद्रोह का नाम बदल कर देशद्रोह कर दिया है। अंग्रेजों के जमाने में राजद्रोह ही देशद्रोह था। यानी जो अंग्रेजी राज का विरोध करेगा उसे देश विरोधी माना जाएगा। कायदे से आजादी के बाद लोकतंत्र स्थापित होते ही इसे समाप्त कर दिया जाना चाहिए था क्योंकि लोकतंत्र में राजद्रोह जैसी कोई चीज नहीं होती है। लोकतंत्र में सत्ता का विरोध करना नागरिक का अधिकार होता है। बहरहाल, आजादी के 77 साल बाद इसका नाम बदला। हालांकि कानून जस का तस है। अपराध भी लगभग वही है, जो राजद्रोह में परिभाषित है। इसका सिर्फ नाम बदल गया है और धारा बदल गई है। पहले 124 के तहत मुकदमा चलता था और अब 152 के तहत चलेगा।

जिस एक बदलाव की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है या जिसका सबसे ज्यादा विरोध हो रहा है वह किसी आरोपी को ज्यादा लंबे समय तक पुलिस हिरासत में रखने का कानून है। पुराने कानून के हिसाब से किसी आरोपी को अधिकतम 15 दिन तक पुलिस हिरासत में रखा जा सकता था। हालांकि अदालतें कभी भी पुलिस को 15 की रिमांड नहीं देती थीं। दो या तीन बार में ज्यादा से ज्यादा 10 या 12 दिन तक की हिरासत मिलती थी और उसके बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में यानी जेल में भेजना होता था। अब किसी आरोपी को 90 दिन तक पुलिस हिरासत में रखा जा सकता है। यह सही है कि अदालत के आदेश से ही रखा जा सकता है लेकिन तीन महीने की अवधि बहुत बड़ी है।

नए कानूनों में कई अच्छी बातों का प्रचार किया जा रहा है। जैसे शिकायत के तीन दिन के भीतर एफआईआर दर्ज करनी होगी। मुकदमा दर्ज करने और समन आदि भेजने में इलेक्ट्रोनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया जाएगा। बलात्कार के मामले में सात दिन के भीतर मेडिकल रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के परिजनों को इसकी जानकारी देनी होगी। पुलिस को 90 दिन में आरोपपत्र दाखिल करना होगा और उसके 60 दिन में अदालत को आरोप तय करने होंगे। मुकदमे की सुनवाई पूरी होने के बाद 30 दिन में फैसला सुनाया जाएगा, आदि आदि। सवाल है कि यह सब कैसे होगा? क्या पुलिस को इतना प्रशिक्षित कर दिया गया है या पुलिस को इतने उपकरण उपलब्ध करा दिए गए हैं या पुलिसकर्मियों की संख्या इतनी बढ़ा दी गई है कि वे सब कुछ फुर्ती से कर सकेंगे? जब पुलिस उतनी ही है और वही है, जो पहले थी तो वह अचानक कैसे इतना सब कुछ कर लेगी?

मुकदमा पूरा होने के बाद फैसला कितने दिन में आएगा यह तो कानून से तय कर दिया गया लेकिन मुकदमा कितने दिन में पूरा होगा यह कौन तय करेगा? असली चीज तो यह है कि किसी भी मामले की जांच पूरी होने और उस पर सुनवाई पूरी होने की एक समय सीमा तय हो। यहां बिना सुनवाई शुरू हुए लोग महीनों, सालों जेल में रहते हैं। जिस अपराध में छह महीने की अधिकतम सजा होती है वैसे मामलों में भी लोग सालों जेल में बंद रहते हैं। दो साल की सजा वाले अपराध में भी जमानत नहीं मिलती है और दशकों तक सुनवाई चलती रहती है।

कहते हैं कि न्याय में देरी, अन्याय के समान है। अगर सचमुच ऐसा है तो इस देश में करोड़ों लोग सांस्थायिक अन्याय का शिकार हो रहे हैं। तभी कानूनों का नाम बदलने या अपराध की धाराएं बदल देने से कुछ नहीं होगा। अपराध न्याय प्रणाली में व्यापक सुधार से ही असली बदलाव होगा। पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ेगी और कानून व्यवस्था, अपराध की जांच और अभियोजन के लिए अलग अलग पुलिस बल होंगे, उनको बेहतर प्रशिक्षण और उपकरण दिए जाएंगे तभी कुछ बदलेगा। पुलिस बल के साथ साथ सरकार जजों के खाली पड़े पदों को भरे और अदालतों के बुनियादी ढांचे में व्यापक सुधार करे, तभी लोगों को कुछ राहत मिलेगी।

पोषक तत्वों की कमी को करें दूर

मिल्कीपुर–अयोध्या (आरएनएस)। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में 22वां डॉक्टर आर.एस. मूर्ति स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम इंडियन सोसाइटी ऑफ स्वायल साइंस नई दिल्ली एवं मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग कृषि विवि अयोध्या के तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर किया। कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने मृदा स्वास्थ्य के सुधार को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य को तीन घटकों में बांटा गया है और ये तीनों घटक एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। मृदा स्वास्थ्य सुधार के लिए मृदा में पोषक तत्वों की कमी को दूर करना होगा। कहा कि हरी खाद का कम प्रयोग,मृदा अपरदन को रोकने के साथ–साथ खेतों की कम जुताई और फसल चक्र में विविधता लाने की जरूरत है। तथा मृदा स्वास्थ्य सुधार के लिए समय– समय पर जागरूक रहने की जरूरत है। केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ संजय अरोड़ा ने कहा कि मृदा लवणता को रासायनिक एवं जैविक कारकों द्वारा सुधार कर अच्छी उपज प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इसके सुधार के लिए जल निकासी, लवण सहनशील प्रजातियां, सिंचाई प्रथाओं में बदलाव, जिप्सम का प्रयोग और चूने का भी प्रयोग किया जाता है।

करौंदिया देहात में हुआ शिक्षा जागरूकता सम्मेलन

सुलतानपुर(आरएनएस)। मोस्ट कल्याण संस्थान के तत्वाधान में विकास खण्ड दूबेपुर के करौंदिया देहात गांव में रामू निषाद के नेतृत्व में शिक्षा जागरूकताध्मोस्ट बहुजन जोड़ो सम्मेलन हुआ। सर्वसम्मति से रामू निषाद को मोस्ट जिला सचिव चयनित किया गया। इस मौके पर प्रदेश प्रमुख जीशान अहमद, सह संयोजक अमृतलाल निषाद, जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र निषाद, ब्लाक संयोजक बीडीसी रवि निषाद, रहे।

कार्यलिय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., कौशाम्बी

पत्रांकः— 2062/7ए/2024—25 दिनांकः 10.10.2024

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1-महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, द्वारा लोक निर्माण विभाग में ए0 बी0 सी एवं डी0 श्रेणी में शासनादेश संख्या- 3460 / 23-7-08-41 एस0एस0ए0 / 54 टी0सी0 - छ्छ दिनांक 28.07.2008 के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों के लिए निम्नलिखित कार्यों का प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है। कोई भी ठेकेदार एक अथवा सभी निविदाओं के लिए निविदा दे सकता है।

क. सं.	जिला	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह में)	कार्यदायी अधिशासी अभियन्ता के खण्ड का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	जिलाधिकारी का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	कौशा0	जिला कौशाम्बी में जिलाधिकारी आवास की मरम्मत एवं पुर्नरूद्धार का कार्य	8.00	0.80	Ten.Cost 500 + St.Ch.300 +GST	01माह			
2	कौशा0	कलेक्ट्रेट परिसर मंझनपुर कौशाम्बी में स्थित वासवदत्ता सभागार/एन0आई0सी0वीडियो कान्फ्रेंसिंग हाल व शौचालय के पुनः निर्माण का कार्य।	6.60	0.66	Ten.Cost 500 + St.Ch.300 +GST	01माह	अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, कौशाम्बी	अधीक्षण अभियन्ता, प्रयागराज वृत्त, लो0नि0वि0, प्रयागराज	जिलाधिकारी कौशाम्बी
3	कौशा0	कलेक्ट्रेट परिसर मंझनपुर कौशाम्बी में स्थित उदयन सभागार के शौचालय के पुनः निर्माण का कार्य।	5.25	0.53	Ten.Cost 500 + St.Ch.300 +GST	01माह			

3- प्रत्येक कार्य को पूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल सहित) उपरोक्त तालिका के कालम - 7 में दर्शाई गई।

4- निविदा की वैधता प्राप्ति के दिन से 90 दिन के लिये होगी। वैधता की अवधि में निविदा को वापस नही लिया जा सकेगा ।

5- निविदा प्रपत्र सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, अधीक्षण अभियन्ता एवं जिलाधिकारी जिनका वर्णन तालिका के कॉलम - 8, 9 व 10 में है, के कार्यालय से आवश्यक मूल्य देकर प्रत्येक कार्य दिवस में 11 बजे पूर्वान्ह से 4 बजे अपरान्ह तक दिनांक 18.10.2024 से 22.10.2024 तक नगद अथवा डिमाण्ड ड्राफ्ट किसी राष्ट्रीकृत बैंक से जो कि अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, कौशाम्बी के नाम देय होगा से क्रय की जा सकती है। इच्छुक निविदाकर्ता अधिक जानकारी सम्बन्धित कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। डाक द्वारा निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त धनराशि रू0 200.00 देकर प्राप्त की जा सकती है तथा इसके लिए दिनांक - 22.10.2024 साय 4 बजे तक अनुरोध स्वीकार की जायेगी । निविदा आमंत्रित करने वाले अधिकारी डाक में देरी के लिये जिम्मेदार नही होंगे।

6- निविदा प्रपत्र सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, अधीक्षण अभियन्ता एवं जिलाधिकारी जिनका वर्णन तालिका के कॉलम - 8, 9, व 10 में है, के कार्यालय में दिनांक - 23.10.2024 को अपरान्ह से 12.30 बजे तक जमा की जा सकती है। जिसको अगले कार्य दिवस में दिनांक 24.10.2024 को 2.30 बजे जिलाधिकारी के कार्यालय में जैसा कि स्तम्भ - 10 में वर्णित है, इच्छुक निविदाकर्ता की उपस्थिति में खोली जायेगी। यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने के दिनांक को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथि अगला कार्यदिवस होगा और स्थल तथा खोलने के समय तथा वैधता में कोई परिर्वतन नही होगा । निविदा की वैधता मूल तिथि से मानी जायेगी।

7- निविदादाता को शासनादेश सं0- 3070 / 78-2-18-42- आई0टी0 / 2017 (22), दि0 02.01.2018 के अनुसार निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि जमा करना होगा।

8- निविदा के साथ निर्धारित धरोहर धनराशि संलग्न होनी चाहिये । धरोहर धनराशि एन0एस0सी0 / राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ0डी0आर के रूप में होनी चाहिए, जो कि अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, कौशाम्बी के पक्ष में बंधक होगी जो कि निविदा की वैद्यता 45 दिन अधिक की तिथि वैध होना अनिवार्य होगा।

9- कोई निविदाकर्ता कार्यदायी खण्ड / वृत्त में जहाँ उनका सम्बन्धित अथवा उनकी पत्नी का कोई निकट सम्बन्धी (प्रथम रक्त सम्बन्धी अथवा उनकी पत्नी) खण्डीय लेखाकार के रूप में कार्यरत हों अथवा अधीक्षण अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता (दोनों को सम्मिलित करते हुये) डालने के लिये योग्य नहीं होंगे। निविदाकर्ता द्वारा यह शपथ-पत्र भी दिया जायेगा जिसमें उसके सम्बन्धियों के नाम तथा उनके पदनाम का उल्लेख होगा, जो कि कार्यदायी खण्ड एवं उससे सम्बन्धित वृत्त में कार्यरत हों ।

10- कोई भी राजपत्रित अभियन्ता अथवा राजपत्रित अधिकारी जो कि राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के प्रशाकीय विभाग में कार्यरत हों सेवा निवृत्ति के अवधि के 2 वर्ष तक बिना सरकार के अनुमति के ठेकेदारी के काम के लिये प्रतिबन्धित होंगे। यदि यह पाया जाता है कि ठेकेदार अथवा उसके प्रतिनिधि ने निविदा डालने से पहले राज्य सरकार से अनुमति नही ली है तो या ठेकेदार के साथ कार्य करना शुरू कर दिया है, ठेकेदारी निरस्त किया जा सकता है ।

11- निवदा से सम्बन्धित विवरण निविदा डालने हेतु योग्यता एवं पात्रता, ड्राइंग, विशिर्षिटया, मात्राओं का विवरण एवं ठेके की अन्य शर्तो जिनका ठेकेदार द्वारा पालन किया जाना है को सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय में जिनका उल्लेख कॉलम-8 में किया गया है, किसी कार्यदिवस में पूर्वान्ह 11.00 बजे अपरान्ह 4.00 बजे दिनांक 18.10.2024 से 22.10.2024 तक देखा जा सकता है।

12- कोई भी निविदाकर्ता जिसका अपराधिक रिकार्ड है, निविदा में भाग लेने से प्रतिबन्धित होंगे ।

13- ऐसे निविदाकर्ता जो राज्य विधि कौंसिल में पंजीकृत हों, निविदा देने से प्रतिबन्धित होंगे (निविदा डालने योग्य नही होंगे)

14- चूंकि यह एक समयबद्ध कार्यक्रम हैं, समय के विस्तार के लिए कोई अनुरोण स्वीकार नही किया जायेगा ।

15- निविदाकर्ता द्वारा सभी सूचना / डाक्यूमेन्ट निर्धारित प्रपत्र (टी- 4, टी-5, टी - 6) में प्रत्येक बिड के साथ दी जायेगी।

16- शासनादेश संख्या- 622/23-12-2012-2 आडिट / 08 टी0सी0 लो0नि0 अनुभाग-12, दिनांक 08 जून 2012 एवं प्रमुख अभियन्ता के पत्रांक-379 सी0जी0 / म0ले0 - लोक लेखा समित, 12-13 दिनांक 29.06.2012 के अनुसार अनुबन्ध गठन समय 10 प्रतिशत बिलो तक 0.50 प्रतिशत प्रति 1 प्रतिशत कम दर पर तथा 10 प्रतिशत से अधिक बिलो दर पर 1.00 प्रतिशत प्रति 1 प्रतिशत कम दर पर सिक्योरिटी / परफारमेंस गारण्टी ली जायेगी ।

17- दोष की देयता अवधि (**Delfct Liability Period**) वास्तविक कार्य पूरा होने के दो साल बाद होगी और उसके बाद धरोहर धनराशि वापस की जायेगी।

(डी.सी. भास्कर)
सहायक अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
कौशाम्बी

(हरबंश सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
कौशाम्बी

परियोजनाओं का कार्य पूर्ण होने पर यथाशीघ्र हैण्डओवर करें

जिलाधिकारी ने निर्माण खण्ड–2 के अधिशासी अभियन्ता को लगायी कड़ी फटकार, दी गयी प्रतिकूल प्रविशिट

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कल सायंकाल विकास भवन सभागार में सभागार रूपये 50 लाख से अधिक लागत के कार्यो/परियोजनाओं की समीक्षा की गयी। बैठक में उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद के द्वारा कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा की गयी जिसमें आईटीआई जरियारी का कार्य पूर्ण कर लिया गया है जिसे हैण्डओवर करने का निर्देश दिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

➤ जिलाधिकारी ने रूपये 50 लाख से अधिक लागत के कार्यो/परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा की,

छितपालगढ़ में बाउण्ड्री कार्य अवशेष है जिसे अक्टूबर माह में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। आवासीय एवं अनावसीय भवनों लीलापुर, दिलीपपुर, देल्हूपुर के निर्माण कार्य की प्रगति धीमी पायी गयी।

आईटीआई पट्टी, पुलिस चौकी, थानों में बैरक एवं विवेचना कक्ष के निर्माण आदि की समीक्षा की गयी एवं निर्देशित किया गया कि निर्माण कार्यो की प्रगति में तेजी लायी जाये। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को निर्देशित किया गया कि उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद के कराये गये कार्यो की टीम बनाकर जांच करायी जाये। जल जीवन मिशन के कार्यो की समीक्षा की गयी जिसमें पाया गया कि 06 ग्रामों में पाइप्ड पेयजल योजना के अन्तर्गत लोगों के घर पानी पहॅुच गया है जिस पर जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि अपने स्तर से खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित करें कि लाभार्थियों के घर जाकर जांच कर लें कि पानी पहॅुचा है की नही और इसकी रिपोर्ट एक सप्ताह में उपलब्ध करायें। लोक निर्माण विभाग के द्वारा कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा की गयी जिसमें पाया

गया कि जिन ठेकेदारों द्वारा कार्य को कराया गया है उनका भुगतान नही किया गया है जिस पर निर्माण खण्ड–2 के अधिशासी अभियन्ता ब्रजमोहन सिंह से जानकारी ली गयी तो उनके द्वारा कोई स्पष्ट जानकारी नही दी गयी जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये निर्माण खण्ड–2 के अधिशासी अभियन्ता को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के साथ–साथ शासन स्तर पर सूचना भेजने के निर्देश दिये गये। विकास भवन में आयोजित बैठक में जाते समय जिलाधिकारी ने देखा कि निर्माण खण्ड–2 द्वारा गड्ढामुक्ति का कार्य कराया जा रहा था जो मानक के अनुरूप नही पाया, इस प्रकरण पर बैठक में जिलाधिकारी ने निर्माण खण्ड–2 के अधिशासी अभियन्ता को कड़ी फटकार लगायी और निर्देशित किया कि गड्ढामुक्ति का कार्य तत्काल मौके पर जाकर अपनी निगरानी में गुणवत्तायुक्त कार्य करायें। बैठक में यूपी सिडको और एआरटीओ को निर्देशित किया गया कि ड्राइविंग टेस्टिंग का निर्माण कार्य जो कराया गया है।

उसमें यदि किसी प्रकार की शिकायत पायी गयी तो दोनो विभागों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इसी प्रकार जिलाधिकारी ने सेतु निर्माण, कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल, यूपीआरएनएसएस, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, सीएनडीएस आदि के निर्माण कार्यो की बिन्दुवार समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि परियोजनाओं से प्रशासकीय विभाग से सम्बन्धित जनपद स्तरीय अधिकारी द्वारा कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का नियमित अनुश्रवण किया जाये। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यो को लम्बित कदापि न रखा जाये, निर्माणपरक कार्यो में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाये, यदि किसी भी स्तर पर गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पायी जाती है तो सम्बन्धित अधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित कर उनके विरूद्ध नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी।

सभी परियोजनाओं का कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत मानक के अनुरूप गुणवत्ता सहित पूर्ण किया जाये। उन्होने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं का कार्य पूर्ण हो जाये उसे यथाशीघ्र सम्बन्धित विभाग को हैण्डओवर किया जाये इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, जिला विकास अधिकारी कृष्ण कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रियंका सोनी सहित सम्बन्धित अधिकारी व कार्यदायी संस्थाओं के प्रोजेक्ट मैनेजर/प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एंटी करप्शन टीम ने मंडी समिति के कर्मचारी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

हरदोई(आरएनएस) ।एंटी करप्शन टीम ने मंडी समिति में एक कर्मचारी को रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोच लिया। यह कार्रवाई उस समय की गई जब टीम को मंडी में लगातार पैसे मांगने की शिकायतें मिल रही थीं ।बारिश के बीच हुई इस छापेमारी में नवीन गल्ला मंडी के कर्मचारी अरुणेन्द्र को 30,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया ।आरोपी को तुरंत पुलिस शहर कोतवाली ले जाया गया, जहां आगे की जांच की जा रही है। मंडी समिति में बिना सुविधा शुल्क के काम न होने की कई शिकायतें मिली थीं। इसी शिकायत के आधार पर एंटी करप्शन टीम ने कार्रवाई की। टीम अब पूरे प्रकरण में गहनता से जांच कर रही है कि आरोपी के किन किन लोगों से सम्बन्ध थे ।कौन कौन लोग वसूली में शामिल थे। एन टी करप्शन की कार्यवाई से जहाँ अन्य विभागों में जहां बिना सुविधा शुल्क के कोई काम नही होता वहां भी हड़कम्प की स्थिति है ।फिलहाल पुलिस पूरे मामले में कार्यवाई करने में जुटी है।

राहुल गांधी का पुतला फूंककर जताया आक्रोश

सुलतानपुर(आरएनएस)। विदेशों में भारत की छवि खराब करने और अमेरिका में सिक्खों के प्रति दिये गए आपत्तिजनक बयान को राष्ट्र विरोधी बताते हुए भाजपाइयों ने विरोध जताया और कलेक्ट्रेट गेट पर विपक्ष के नेता और सांसद राहुल गांधी का प्रतीकात्मक पुतला जलाया। गुरुवार को भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा की अगुवाई में भाजपाइयों ने राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में सिक्ख समाज को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान को लेकर तिकोनिया पार्क से कलेक्ट्रेट गेट तक विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपाइयों ने कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए। कलेक्ट्रेट गेट पहुंचने पर राहुल गांधी का प्रतीकात्मक पुतला जलाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं की पुलिस से तीखी नोंकझोंक और छीना झपटी भी हुई। यहां पर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा ने अमेरिका में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भारत में सिक्खों को पगड़ी पहनने, गुरुद्वारे जाने और कड़ा पहनने से रोकने वाले बयान की कड़े शब्दों में भर्त्सना व निंदा की है। उन्होंने कहा राहुल गांधी विदेश में जाकर भारत की छवि व प्रगति को लेकर झूठा नैरेटिव चलाकर देश को बदनाम करतें हैं ।जिलाध्यक्ष ने कहा भारत में सिक्ख समाज शान से रहता है और उनका भारत की आजादी व विकास में शानदार योगदान है। राहुल की बयानबाजी देश को तोड़ने और कमजोर करने की साजिश है ।उन्होंने कहा कि मैं भारत सरकार से आग्रह करूंगा कि नेता प्रतिपक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर रहते हुए जो देश का सम्मान नहीं कर सकता उसे ऐसे पद पर रहने का अधिकार नहीं है। पार्टी प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने जानकारी दी कि पुतला जलाने में प्रमुख रूप से भाजपा के वरिष्ठ नेता रामचन्द्र मिश्रा पूर्व जिलाध्यक्ष जगजीत सिंह छंगू,डॉ सीताशरण त्रिपाठी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल,संदीप सिंह, भाजपा नेता अर्जुन पटेल, युवा मोर्चा अध्यक्ष चन्दन नारायण सिंह, घनश्याम चौहान, रहे।

भाजपा से जुड़कर भारत को मजबूत करें रू आशीष तिवरी

सोहावल– अयोध्या (आरएनएस)विधान सभा बीकापुर के नगर पंचायत सुचितागंज खिरौनी वार्ड नंबर 6 बूथ संख्या 107 विशुनपुर सारा पश्चिमी में सभी वार्ड वासियों से सादर अनुरोध कर 8800002024 पर मिस्ड कॉल कराया। सभी ने सहर्ष भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कराया ।भाजपा जिला महामंत्री युवा मोर्चा आशीष तिवारी ने कहा कि राष्ट्र की आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक समृद्धि और जन–जन की खुशहाली को समर्पित विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार 'भाजपा' में सभी जुड़े नए सदस्यों का स्वागत और अभिनंदन हैं। इस मौके पर रवि शंकर दुबे, देव प्रकाश सिंह, रजत सिंह, अरुण सिंह, हिमांशु दुबे, कृष्ण कुमार सिंह, हरि लाल मौर्य, लाल बहादुर वर्मा, आशोक यादव, अर्जुन वर्मा, आशीष वर्मा, सोनू वर्मा, राजेश रावत, बाल गोविंद रावत, विजेंद्र रावत, विजय कुमार, कृष्ण कुमार मौर्य, विक्की दुबे, कप्तान तिवारी, रघुनाथ रावत, बालक राम रावत आदि सहित बड़ी संख्या में लोगों ने सदस्यता ग्रहण किया।

मण्डलायुक्त ने आए फरियादियों की सुनी जनसमस्याएं

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के मार्ग निर्देशन में जनपद के चारों तहसीलों यथा–मड़िहान, चुनार, लालगंज व सदर में जन सामान्य की समस्याओं को त्वरित निस्तारण के लिये शासन के मंशानुरूप सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील चुनार में मण्डलायुक्त डॉ मुथुकुमार स्वामी बी. ने अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे के साथ व जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन एवं मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार द्वारा तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। इसी प्रकार तहसील लालगंज में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व शिव प्रताप शुक्ल, तहसील मड़िहान में अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व सत्य प्रकाश सिंह के द्वारा जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। मण्डलायुक्त के समक्ष तहसील चुनार में कुल 126 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 3 प्रार्थना पत्रों का निस्तारित करते हुए शेष प्रार्थना पत्रों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों कों निर्देशित किया। मण्डलायुक्त ने 8 राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजते हुए निर्देशित किया कि दोंनो पक्षों को बुलाकर उनकी उपस्थित में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर आख्या उपलब्ध कराएं। उन्होनें कहा कि शिकायतों का निस्तारण होना चाहिए गुणवत्ता खराब पाए जाने पर सम्बन्धित अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता से बात करें और फीड बैक लेने के साथ ही निस्तारण करें। शासन की प्राथमिकता वाले कार्यक्रम संपूर्ण समाधान दिवस व आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि राजस्व व पुलिस के अधिकारी अपने स्तर पर यदि शिकायकर्ता की बात सुनकर उसका निस्तारण कराएं ताकि फरियादी को बार–बार जिला मुख्यालय व तहसील का चक्कर न लगाना पड़ें। जिलाधिकारी के समक्ष तहसील सदर में कुल 180 प्राप्त प्रार्थना पत्रों में से 20 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारित करते हुये शेष को सम्बन्धित अधिकारियों को प्रेषित करते हुये जिलाधिकारी ने कहा कि प्राप्त शिकायतों का त्वरित निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से सम्बन्धित विभाग के अधिकारी सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि राजस्व, भूमि विवाद से सम्बन्धित अधिकांश प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए हैं। अतएव राजस्व अधिकारी मौके पर पहुंचकर भौतिक सत्यापन के पश्चात ही संतुष्टिपरक निस्तारण करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय व मण्डलायुक्त द्वारा प्रार्थना पत्रो के निस्तारण के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता से दूरभाष पर वार्ता कर फीडबैंक भी लिया जा रहा है।

ओबरा नपं पर दूषित पानी सप्लाई करने व भ्रष्टाचार का आरोप

ओबरा,सोनभद्र(आरएनएस) । स्थानीय नगर पंचायत में वार्ड 3 गजराज नगर व वार्ड 5 सरदार पटेल नगर में लाखों रुपए की लागत से लगे आर.ओ प्लांट जो कि सोलर से संचालित होता है वह नगर पंचायत के अधिकारियों की अनदेखी की वजह से बर्बाद हो गया है। यह आरोप भाजपा नेता विरेन्द्र मित्तल ने लगाते हुए कहा कि ओबरा में कई जगह सोलर से संचालित होने वाले आर.ओ प्लांट लगाए गए हैं। जिन्हे लगे हुए लगभग एक साल हो गया है। किन्तु अभी तक संचालित नहीं किए जा सके हैं। उक्त आरओ प्लांट बिना रख रखाव के अभाव में उसमें लगी मशीन और बैट्री जर्जर अवस्था में हो गयी हैं। एक तरफ नगर पंचायत द्वारा लगातार नगर में गंदे पेय जल की सप्लाई की जा रही है। इसी क्रम में बतातें चलें कि अगर उक्त फिल्टर प्लांट चालू होता तो जनता को कुछ हद तक शुद्ध जल पीने के मिल सकता था और राहत मिल सकती थी। लेकिन नपं इस समस्या से अनजान बना हुआ है। भाजपा नेता ने बताया कि जहां देश के प्रधानमन्त्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी लोगों को साफ पेयजल के लिए कई योजनाएं चला रहे हैं।

प्रधान व पंचायत सचिव ने शौचालय का पैसा किया हजम, दर्ज होगी एफआईआर

सुलतानपुर(आरएनएस)। जिले के ग्राम गोथुआ जागीपुर सभा मे बिना शौचालय निर्माण कराए ग्राम प्रधान व तत्कालीन पंचायत सचिव राम सुन्दर गुप्ता ने लगभग 14 लाख रुपये निकाल कर गटक दिए। मामले की शिकायत होने पर जिला पंचायत राज अधिकारी अभिषेक शुक्ल ने जांच के निर्देश दिए जांच में 14 लाख रुपये का घोटाला बाहर आया जिस पर ग्राम प्रधान व तत्कालीन पंचायत सचिव से स्पष्टीकरण मांगा गया। लेकिन संतुष्ट जवाब नहीं मिलने पर सम्बन्धित सहायक विकास अधिकारी पंचायत को उक्त ग्राम प्रधान व तत्कालीन पंचायत सचिव के विरुद्ध संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

डीपीआरओ ने बताया कि लम्भुआ की ग्राम पंचायत गोथुआजागीपुर के ग्राम निधि खाता–6 के स्टेटमेन्ट का अवलोकन किये जाने के उपरान्त ग्राम पंचायत गोथुआजागीपुर में माह जूनध्जुलाई 2024 में बिना इज्जत घर निर्माण कराये ही ग्राम निधि खाता 6 से लगभग 14 लाख रुपये का आहरण किया गया। उक्त मामले में तत्कालीन पंचायत सचिव राम सुन्दर गुप्ता ग्राम पंचायत गोथुआजागीपुर, विकासखण्ड लम्भुआ, जनपद सुलतानपुर (वर्तमान तैनाती विकासखण्ड कूरेभार) एवं ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत गोथुआजागीपुर, विकासखण्ड लम्भुआ, को विगत 05 अगस्त 2024 द्वारा नोटिस निर्गत करते हुए संदर्भित प्रकरण में सुसंगत साक्ष्यों सहित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। डीपीआरओ श्री शुक्ल ने बताया कि पर्याप्त समयावधि व्यतीत हो जाने के उपरान्त भी ग्राम प्रधान एवं सम्बन्धित पंचायत सचिव द्वारा संदर्भित प्रकरण में कोई स्पष्टीकरण नहीं प्रस्तुत किया गया, जिससे स्पष्ट हो गया कि ग्राम प्रधान एवं सम्बन्धित्त पंचायत सचिव द्वारा जानबूझकर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा०) के मार्गदर्शक सिद्धान्तों के विपरीत इज्जत घर निर्माण की प्रोत्साहन राशि का भुगतान फर्म सुनील के टेडर्स एवं ए०पी०एस० इन्टर प्राइजेज को करते हुए शासकीय धनराशि का गबन कर लिया गया है। चूंकि ग्राम निधि–6 खाते में उपलब्ध धनराशि को निदेशालय स्तर पर प्रेषित किये जाने के निर्देश दिये गये थे, इस सन्दर्भ में पंचायत सचिव एवं सहायक विकास अधिकारी (पं०) द्वारा इस आशय का प्रमाण–पत्र दिया गया था कि ग्राम पंचायत में कोई धनराशि अवशेष नहीं है। उक्त से स्पष्ट है कि सम्बन्धित पंचायत सचिव द्वारा उक्त तथ्य को छिपाते हुए प्रमाण–पत्र दिया गया था। इस प्रकार सम्बन्धित पंचायत सचिव की अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता एवं उच्चाधिकारियों के आदेशोंध्निर्देशों की अवहेलना, पदीय दायित्वों एवं कर्तव्यों का निर्वहन न करना, सचिव ग्रा०पं० के पद का दुरुपयोग करने का द्योतक है। उक्त कृत्य ग्राम प्रधान एवं सम्बन्धित पंचायत सचिव विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने तथा भारतीय दण्ड संहिता की सुसंगत धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराये जाने का पर्याप्त आधार पाये गये है। डीपीआरओ ने सहायक विकास अधिकारी पंचायत को तत्कालीन पंचायत सचिव राम सुन्दर गुप्ता वर्तमान तैनाती विकासखण्ड कूरेभार) और ग्राम प्रधान गोथुआजागीपुर के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की सुसंगत धाराओं में संबंधित थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराकर अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने के निर्देश दिए।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

अक्टूबर से BJP का सक्रिय सदस्यता अभियान, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को मिला टारगेट

प्रयागराज। फूलपुर में होने वाले उपचुनाव को देखते हुए भाजपा एक बार फिर एक्टिव मोड में है। सदस्यता अभियान के साथ साथ अब सक्रिय सदस्यता अभियान पर फोकस किया जा रहा है। 16 अक्टूबर से भाजपा का सक्रिय सदस्यता अभियान शुरू हो रहा है। इसमें 100 नए लोगों को जोड़ने वालों को भाजपा का सक्रिय सदस्य बना दिया जाएगा। इसके लिए महानगर अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव खुद पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। सक्रिय सदस्यता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सक्रिय सदस्य बनने हेतु सिविल लाइन स्थित पार्टी कार्यालय से सक्रिय सदस्यता फार्म 16 अक्टूबर से प्राप्त होगा। कार्यकर्ता को नमो एप के माध्यम से 100 रु की धनराशि जमा कर सक्रिय सदस्यता का फार्म भरकर मंडल अध्यक्ष के पास जमा करना होगा। मंडल अध्यक्ष सक्रिय सदस्यता रजिस्टर बनायेंगे। ये काम 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसके बाद 1 से 4 नवंबर तक सक्रिय सदस्यता सत्यापन का काम होगा और उसके बाद सक्रिय सदस्यता क्रमांक दिया जाएगा जिसकी सूची पार्टी कार्यालय पर चस्पा की जाएगी। महानगर प्रभारी ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिले कुल वोट का 75 प्रतिशत सदस्य बनाने का जो लक्ष्य दिया गया था उसे प्रयागराज महानगर के कार्यकर्ताओं ने पूरा किया है इसके लिए कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। संबोधन के दौरान महेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि सक्रिय सदस्यता के समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि पार्टी के प्रति कई वर्षों से समर्पित पुराने कार्यकर्ता प्राथमिकता में रखे जाएं और साथ ही नए कार्यकर्ताओं को भी सक्रिय सदस्य बनाया जाए। हर जाती वर्ग का प्रतिनिधित्व होना चाहिए पार्टी के सक्रिय सदस्यता में। जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि शीर्ष नेतृत्व ने यह तय किया है कि जो पुराने मूल कार्यकर्ताओं ने ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से 50 सदस्य भी बनाए हैं उन्हें भी सक्रिय सदस्य बनने का अवसर मिलना चाहिए। जिन्होंने अपना लक्ष्य अभी तक प्राप्त नहीं किया है वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लें। इससे पहले बैठक की अध्यक्षता करते हुए महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने कहा कि महानगर के कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है प्रयागराज महानगर प्रदेश नेतृत्व द्वारा दिए गए सदस्यता लक्ष्य को पाने के करीब है। अनीता त्रिपाठी को प्रयागराज महानगर का सक्रिय सदस्यता संयोजक बनाया गया है।

न्याय नगर में लगेगी पूर्व सांसद कमला बहुगुणा की प्रतिमा

प्रयागराज। पूर्व सांसद स्वर्गीय कमला बहुगुणा के जन्म शताब्दी समारोह पर आदमकद कांस्य प्रतिमा लगाई जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 30 दिसंबर को इसका अनावरण करेंगी। इसके पहले बनारस हिंदू विवि और अलीगढ़ मुस्लिम विवि समेत यूपी और उत्तराखंड के कई विश्वविद्यालयों में 15 से 30 अक्तूबर तक वाद–विवाद प्रतियोगिताएं होंगी। सोमवार को कमला बहुगुणा की बेटी व पूर्व सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी ने पत्रकारों को बताया कि न्याय मार्ग स्थित बहुगुणा मार्केट में यह प्रतिमा लगेगी। मार्केट के ही पास डॉ. रीता जोशी के भाई शेखर बहुगुणा भी रहते हैं। बकौल डॉ. जोशी, अखिल भारतीय हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति यूपी व उत्तराखंड के 40 विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 'क्या भारत में महिलाओं को आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता कराएगी। शहर में यह प्रतियोगिता 25 अक्तूबर को यूनाइटेड यूनिवर्सिटी, एडीसी, सीएमपी, एसएस खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज में होगी, जबकि हेमवती नंदन बहुगुणा पीजी कॉलेज और ठाकुर हरनारायण डिग्री कॉलेज में 28 अक्तूबर को। लखनऊ में नवंबर के दूसरे सप्ताह में प्रतियोगिता का फाइनल होगा, जहां प्रथम पुरस्कार विजेता को 51 हजार, द्वितीय को 31 और तृतीय स्थान पर आने वाले को 21 हजार रुपये दिए जाएंगे। डॉ. जोशी ने बताया कि कमला बहुगुणा पर कवि कुमार विश्वास की टीम ने एक गीत भी लयबद्ध किया है, जिसे जल्द रिलीज किया जाएगा।

छात्रों का असेसमेंट न करने पर 159 विद्यालयों को नोटिस

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत बच्चों का असेसमेंट करने में लापरवाही बरती जा रही है। इस महीने अब तक जिले के 159 परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का असेसमेंट नहीं किया गया है। इसलिए इन विद्यालयों के हेडमास्टर और सभी शिक्षकों को बीएसए ने नोटिस जारी किया है। उनसे दो दिन में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है। निपुण लक्ष्य एप में कक्षा और विषय के अनुसार दक्षता–आधारित सवाल पूछे जाते हैं। इस एप का प्रयोग छात्रों की सीखने की प्रगति का आंकलन करने के लिए किया जाता है। इसका मकसद तीन से नौ साल तक के बच्चों की सीखने की जरूरतों को पूरा करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का यह हिस्सा है। दिसंबर 2024 तक निपुण भारत का लक्ष्य प्राप्त करना है। फिर भी इसके प्रति शिक्षक उदासीन हैं। पिछले इसी लापरवाही के लिए 192 विद्यालयों के शिक्षकों और हेडमास्टरों को नोटिस दिया गया था। निपुण लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रत्येक ब्लॉक के 10 विद्यालय को चुना गया है। बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि निपुण लक्ष्य एप पर छात्रों का असेसमेंट करने में लापरवारी बरतने वाले शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई होगी। दो दिन में संतोषजनक जवाब न मिलने पर प्रतिकूल प्रविष्टि दी जाएगी।

बंद मकान का ताला तोड़कर जेवरात व नकदी चोरी

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के ज्ञानकुंज झलवा में एक बंद मकान का ताला तोड़कर हजारों रुपये नकदी व सोने–चांदी के जेवरात चोरी का मामला सामने आया। घटना सात अक्तूबर की बताई जा रही है। पीड़ित परिवार बीते एक माह से कोलकाता गया था। वहां से लौटने के बाद थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 24/70 दिनांक : 14.10.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ०म०रे०, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं-

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	38242520 (ई-आरए)	बोगी सेंटर पिवेट टॉप	7875 नग	07.11.2024
2	38241493	बेकिंग रिंग	5532 नग	11.11.2024
3	38241580	बोगी सेंटर पिवेट टॉप	1291 नग	14.11.2024
4	38241896	पीओएच किट फॉर केई2 टाईप डिस्ट्रीब्यूटर वॉल्व	1568 नग	18.11.2024
5	20243445	सस्पेंशन ट्यूब कम्पलीट फॉर डब्ल्यू ए पी-7/डब्ल्यू ए जी-9 लोको	67 नग	04.11.2024
6	20243673	पिनियन शाफ्ट फॉर डब्ल्यू ए पी-7 लोको 20 टीथ	222 नग	07.11.2024
7	20235017B	ट्रैक्शन मोटर आर्मेचर कम्पलीट	06 नग	08.11.2024
8	40243176	इलेक्ट्रिक रेक्टिफायर कम रेगुलर यूनिट	24 नग	11.11.2024
9	64245245	क्यूमिंस डीजल इंजन	01 नग	21.11.2024
10	38243232	कास्ट स्टील साईड फ्रेम	54 नग	05.11.2024
11	90242365	पील्ड बार साईज 27 एमएम डाया x 3260 एमएम लॉन्ग	323.4 एमटी	11.11.2024
12	90242364	पील्ड बार साईज 40 एमएम डाया x 3730 एमएम लॉन्ग	809.2 एमटी	14.11.2024

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1798/24 (D)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 10220242025 **निविदा सूचना** दिनांकः 08.10.20241

मण्डल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 06.11.2024 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

कार्यो का विवरणः वरिष्ठ मंडल अभियंता/द्वितीय तथा मंडल अभियंता/पंचम/प्रयागराज मंडल के अधीन क्षेत्र में मेजर सेतुओं के अप्रोच पर ट्रैक स्ट्रक्चर की सुदृढ़ता के लिए जिओ सेल तथा ब्लैंकिटिंग मटेरियल के द्वारा ट्रांजीशन सिस्टम लगाने तथा अन्य संबंधित कार्य।

निविदा नं.	अनुमानित मूल्य	बयाने की रकम	कार्य समापन की अवधि
224	₹1,41,23,457.81	₹2,20,600.00	12 (बारह) माह

निविदा खुलने की तिथिः 06.11.2024, **सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः** रनिंग लाइन के नीचे कोई भी ट्रैक का कार्य। **नोटः** 1. ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13.30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 06.11.2024 तक उपलब्ध है। 3. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अंतर्गत CCA द्वारा जारी डिजिटल प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न हो तो उस पर विचार नही किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5. निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 6. माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होगें। 7.संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 8. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है। 9. बयाने की राशि केवल नेटबैंकिग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 10. किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11. आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 06.11.2024 को समय 13.30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 12. निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-1 के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 1775/24 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पुणे में गैंगरेप का आरोपी प्रयागराज से गिरफ्तार: STF के ऑपरेशन के बाद पकड़ा गया, पेशी के बाद ले जाया गया महाराष्ट्र

प्रयागराज। प्रयागराज STF यूनिट ने रेप के आरोपी को अरेस्ट कर लिया। मामला महाराष्ट्र के पुणे में गैंगरेप से जुड़ा है। प्रयागराज का आरोपी फरार चल रहा था। पुणे की पुलिस ने एसटीएफ प्रयागराज से संपर्क साधा इसके लिए बाद आरोपी की गिरफ्तारी हो सकी। पुणे पुलिस और एसटीएफ ने छापेमारी कर प्रयागराज के यमुनापार के औद्योगिक नगर क्षेत्र से उसे पकड़ लिया। पुणे पुलिस न्यायालय में पेशी के बाद आरोपी को रिमांड पर अपने साथ ले गई। आरोपी आदर्श नगर मतंरवाड़ी पुणे का निवासी बताया गया है। एसटीएफ प्रयागराज के सीओ शैलेश प्रताप सिंह ने बताया कि तीन अक्तूबर की देर रात पुणे के बोपदेव घाटी टेबल प्वाइंट के समीप एक युवती अपने मित्र के साथ बैठी थी। इसी बीच आरोपी शोएब उर्फ अख्तर उर्फ बाबू शेख ने अपने दो अन्य साथी सोमनाथ यादव व चंद्रकुमार कन्नौजिया के साथ मिलकर युवती के साथ गैंगरेप किया। पुणे की कोढ़वा थाने की पुलिस ने 11 अक्तूबर को आरोपी चंद्रकुमार को गिरफ्तार किया था। शोएब ट्रेन से प्रयागराज भाग आया था। कई दिनों तक प्रयागराज में जगह बदल–बदल कर रह रहा था। एसटीएफ निरीक्षक जयप्रकाश राय और पुणे पुलिस के एपीआई अमोल रसाड़ आदि ने आरोपी शोएब को औद्योगिक थाना क्षेत्र के डेज मेडिकल तिराहा के समीप गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह तीन अक्तूबर की रात्रि बोपदेव घाटी टेबल प्वाइंट में एक महिला अपने दोस्त के साथ बैठी थी उसी समय आरोपित अपने साथी चन्द्र कुमार, सोमनाथ यादव के साथ मिलकर महिला व उसके दोसत से मारपीट करतेहुए उनको नीचे ले गये थे। जहां लड़की के दोस्त को बेल्ट एवं उसके पहले हुए कपड़ेसे बांध दिये और लउत्रकी से सामूहिक दुष्कर्म करके भाग गये थे। घटना के बाद से ही आरोपित छिपकर रह रहा था। घटना के कुछ दिन बाद ही चन्द्र कुमार को पुलिस ने पकड़ लिया था।

कथन... तथ्य और सबूत अलग-अलग हैं तो एक ही घटना में दर्ज हो सकती है दूसरी एफआईआर, हाईकोर्ट का अहम आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक ही घटना में दूसरी एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। कहा है कि एक ही घटना में दो एफआईआर नहीं दर्ज की जा सकती है। लेकिन उसी के दो भिन्न कथन, तथ्य व सबूत के खुलासों के साथ शिकायत की गई हो तो दूसरी एफआईआर दर्ज की जा सकती है। कोर्ट ने सीजेएम मथुरा को याची की धारा 156(3) की अर्जी पर नया आदेश पारित करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने यह आदेश संगीता मिश्रा की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। मथुरा निवासी याची संगीता मिश्रा के पति की मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने याची को ही आरोपी बनाते हुए चार्जशीट दाखिल कर जेल भेज दिया। याची जेल से बाहर आई तो उसने धारा 156(3) के तहत कोर्ट में हत्या की उसी घटना की एफआईआर दर्ज करने के लिए अर्जी दी। मजिस्ट्रेट ने अर्जी को निरस्त कर दिया। इसके खिलाफ पुनरीक्षण अर्जी भी निरस्त कर दी गई। याची ने दोनों आदेशों को हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के वकील ने दलील दी कि याची व उसके पति की जानकारी के बगैर याची के ससुर ने अपनी संपत्ति का बेटों में बंटवारा कर दिया। इस पर भाइयों में विवाद हुआ। तीन मई 2020 को पति के भाई आए और उन्हें अपने साथ ले गए। इसके बाद याची के पति लौटे नहीं। याची ने लापता होने की थाने में शिकायत भी की। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। बाद में पुलिस ने याची को ही पति की हत्या का आरोपी बनाकर एफआईआर दर्ज कर दी। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा एक ही घटना की दो एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती। लेकिन, उसी घटना के दो भिन्न कथन, तथ्य व सबूत के खुलासों के साथ शिकायत की गई हो तो एक ही घटना की दूसरी एफआईआर दर्ज की जा सकती है।

दुष्कर्म पीड़िता से शादी करने की शर्त पर हाईकोर्ट ने आरोपी को दी जमानत

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी को पीड़िता से शादी करने की शर्त पर जमानत दे दी है। कहा कि जेल से रिहा होने के तीन महीने के भीतर पीड़िता से शादी करेगा और उसकी नवजात बच्ची की देखभाल करेगा। साथ ही छह महीने के भीतर बच्ची के नाम पर दो लाख रुपये भी जमा करेगा। न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की एकलपीठ ने अभिषेक की याचिका पर यह आदेश दिया है। सहारनपुर के थाना चिलकाना में अभिषेक पर पीड़िता के पिता ने पॉक्सो व दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया कि उसकी बेटी से शादी का झूठा वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए, जिससे पीड़िता गर्भवती हो गई। इसके बाद आरोपी ने शादी करने से इन्कार कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं, जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की। याची के वकील ने कोर्ट को बताया कि मेडिकल रिपोर्ट से पीड़िता की उम्र 18 वर्ष है। साथ ही सीआरपीसी की धारा 164 में पीड़िता ने बयान में उस पर किसी भी प्रकार के बल प्रयोग से इन्कार किया है। इसके अलावा याची के वकील ने यह भी बताया कि याची पीड़िता की जिम्मेदारी लेने और उससे शादी करने को तैयार है। कोर्ट ने साक्ष्यों का अवलोकन करने व दलीलों को सुनने के बाद कहा कि शोषण के वास्तविक मामलों और सहमति से बने संबंधों के मामलों के बीच अंतर करना एक बड़ी चुनौती है। न्याय के लिए सूक्ष्म दृष्टिकोण और सावधानी पूर्वक न्यायिक विचार की आवश्यकता होती है। किसी व्यक्ति को तब तक निर्दोष माना जाता है, जब तक कि उसका अपराध सिद्ध न हो जाए।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं- 10520242025 दिनांकः 11.10.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक / कार्य/प्रयागराज निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डेरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई निविदा सूचना सं.:10520242025-227	**अनुमानित लागत(₹ मे)**: ₹ 1,00,00,000.00
कार्य का नामः DEN/E/PRYJ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत नैनी, छिवकी और सूबेदारगंज क्षेत्र में वनीकरण और हरित क्षेत्र का विकास।	
अमानत राशि (₹ मे): ₹ 2,00,000.00	**कार्य समापन की अवधिः** 06 माह
ई निविदा सूचना सं.:10520242025-228	**अनुमानित लागत(₹ मे)**: ₹ 1,03,79,999.00
कार्य का नामः DEN/E/PRYJ के अधिकार क्षेत्र के तहत प्रयागराज क्षेत्र में वनीकरण और हरित क्षेत्र का विकास।	
अमानत राशि (₹ मे): ₹ 1,01,900.00	**कार्य समापन की अवधिः** 06 माह
सभी निविदा बंद होने की तिथिः 02.11.2024 को 12.00 बजे	
सभी कार्य की प्रकृतिः बागवानी कार्य।	

नोटः-1. पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। 1794/24(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा निविदा सूचना दिनांकः 10.10.2024

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, (ओ.&एफ.), उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक उक्त वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती हैं -

GEM बिड संख्याः GEM/2024/B/5489760 Dated: 10.10.2024		
कार्य का नाम-आरडीआई इंचार्ज प्रयागराज के अधीन दो साल की अवधि के लिए मासिक किराये के शुल्क सहित किराये की सेवाओं पर मोबाइल बाउजर डोर टू डोर एचएसडी तेल वितरण वाहन को किराए पर लेना।		
निविदा सिस्टमः दो पैकेट सिस्टम	**कार्य का अनुमानित लागत (रु.मे.)**: ₹ 5989680.00	
EMD: 119800.00	**ई-निविदा प्रपत्र का मूल्यः** शून्य	**कार्य की अवधिः** 24 माह

GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथिः 10.10.2024, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः 01.11.2024 & 15:00 बजे, नोटः** 1. उपरोक्त ई-निविदाओं की निविदा पुस्तिका के साथ पूरी जानकारी GeM वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि से उपलब्ध / अपलोड की जाएगी और वेबसाइट **www.GeM.gov.in** पर बनी रहेगी, निविदा खुलने की नियत तिथि तक। 2. उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। इस उद्देश्य के लिए, विक्रेताओं को खुद को GeM वेबसाइट के साथ पंजीकृत कराना आवश्यक है। 3. संलग्न किए जा रहे दस्तावेज़ पर निविदाकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। 4. सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। 5. किसी भी कठिनाई के मामले में GeM की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 6. ऑनलाइन ई-निविदा निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक जमा की जा सकती है। 7. जेवी (JV) फर्मों को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति है। 1792/24 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

पड़ोसी पर दुष्कर्म का आरोप लगा फंदे से झूली चार बच्चों की मां

कोरांव थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार सुबह पड़ोसी पर दुष्कर्म का आरोप लगाकर चार बच्चों की मां फंदे से झूल गई। उसके पास से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है। कोरांव निवासी एक व्यक्ति ने अपनी बेटी की शादी वर्ष 2015 में की थी। 30 वर्षीय महिला सोमवार सुबह घर पर अपनी सात माह की बच्ची के साथ अकेली थी। उसके तीन बच्चे और हैं। पति घर से थोड़ी दूर काम करने गया था। जब वह 11 बजे के करीब घर भोजन करने पहुंचा तो पत्नी छत में लगे पंखे से फंदा लगाकर लटक रही थी। मृतका के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है। उसमें यह लिखा है कि मेरे पति की कोई गलती नहीं है। मैं खुद जान दे रही हूं। सुसाइड नोट में पड़ोस के ही रहने वाले एक युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी नितेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि जांच की जा रही है।

एपीओ भर्ती परीक्षा के कटऑफ और प्राप्तांक जारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने सहायक अभियोजन अधिकारी (एपीओ) परीक्षा–2022 से संबंधित अभ्यर्थियों के प्राप्तांक एवं श्रेणीवार कटऑफ अंक सोमवार को जारी कर दिए। भर्ती का अंतिम चयन परिणाम 21 जून, 2023 को घोषित किया गया था। आयोग के उपसचिव सुनील कुमार के अनुसार, प्राप्तांक एवं कटऑफ अंक 21 अक्तूबर तक आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगे। अभ्यर्थियों को वेबसाइट पर प्रदर्शित फॉर्मेट पर वांछित सूचनाओं को भरना होगा। इसके बाद बाद पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त होगा, जिसे कंप्यूटर स्क्रीन पर निर्धारित कोष्ठक में भरकर प्राप्तांक प्राप्त किया जा सकता है। जिन अभ्यर्थियों को ओटीपी प्राप्त नहीं हो रहा है और ओटीपी के लिए वह अपना मोबाइल नंबर परिवर्तित करना चाहते हैं, उन्हें इस आशय का प्रार्थनापत्र आयोग में देना होगा। नंबर परिवर्तित होने पर अभ्यर्थियों को एसएमएस के माध्यम से इसकी सूचना दी जाएगी और इसके बाद अभ्यर्थी प्राप्तांक देखने अथवा प्राप्त करने के लिए अपने परिवर्तित मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर सकेंगे।

वरिष्ठ भाजपा नेता बसंत लाल आजाद का निधन: प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में ली अंतिम सांस, दिल की बीमारी थे पीड़ित

प्रयागराज। प्रयागराज में भाजपा के वरिष्ठ नेता और हिंदू वादी संगठनों से जुड़े रहे बसंत लाल आजाद का सोमवार की देर रात लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह करीब 75वर्ष के थे। मंगलवार को दारागंज घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन से पार्टी के कार्यकर्ताओं में शोक है। वह दिल की बीमारी से पीड़ित थे। पिछले वर्ष ही उन्होंने बाई पास सर्जरी करायी थी। वरिष्ठ भाजपा नेता रहे बसंत लाल आजाद लंबे समय तक श्री जगन्नाथ यात्रा महोत्सव और श्री पथरचट्ध्टी रामलीला कमेट के उपाध्यक्ष पद पर रहे हैं। वह पार्षद भी रह चुके हैं । उनके परिवार में एक बेटा है। बसंत लाल आजाद का राजस्थान के जड़िया परिवार से नाता है। जड़िया परिवार शहर की प्रमुख रामलीला कमेटी में शामिल श्री पथरचट्टरी रामलीला कमेटी में चांदी और सोने से जड़ित चौकियों को तैयार करता है। इसके अलावा बसंत लाल आजाद भातीय जनता पार्टी की शुरूआत से जुड़े रहे। उनकी पहचान हिंदू वादी नेता रूप में होत है। 1974 के चुनाव में उन्होंने अपनी राजनीतिक जीवन की शुरूआत की थी।

अलोपीबाग में बंदरों का आतंक, तीन को काटा

प्रयागराज। संगम किनारे अलोपाबाग में बंदरों के हमले से क्षेत्र के लोग दहशत में हैं। बंदरों का झुंड पहुंचते ही घरों की खिड़कियां, दरवाजे बंद हो जा रहे हैं। सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। बंदरों को भगाने के लिए लोग पटाखे बजा रहे हैं। क्षेत्र में एक सप्ताह में लगभग तीन दर्जन बदरों का झुंड आ रहा है। पिछले कुछ दिनों से बंदर घरों में घुसकर सामान नष्ट करने लगे। इसके बाद लोगों पर हमला शुरू कर दिया। इसकी शिकायत नगर निगम से की गई, लेकिन आजतक बंदरों की धरपकड़ नहीं की गई। नगर निगम कह रहा है कि बंदर वन्य जीव हैं और इनको पकड़ने की जिम्मेदारी वन विभाग की है। अलोपीबाग के पूर्व पार्षद कमलेश सिंह ने बताया कि बंदरों ने अब तक तीन लोगों को काटा है। बंदरों के कारण बच्चे स्कूल जाने से डर रहे हैं। ढिंगवस कोठी और मटियारा गांव में सबसे अधिक दहशत है। बंदरों को पकड़ने की मांग के सिलसिले में सोमवार को मंडलायुक्त घ्विजय विश्वास पंत से मिलने गए, लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हो पाई।

प्रयागराज से अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने की लगाई गुहार

प्रयागराज। एयरपोर्ट प्रशासन ने प्रयागराज को अंतर्राष्ट्रीय हवाई सेवा से जोड़ने के लिए जिलाधिकारी से मांग की है। प्रयागराज एयरपोर्ट के निदेशक फर्रूख अहसन ने यहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखा है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062